ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:01.10.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-10-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	02/10/2024	03/10/2024	04/10/2024	05/10/2024	06/10/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	33.0	32.0	32.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	20.0	19.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	80	75	75	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	40	35	35	35	35
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	5	5	4	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	310	310	140	140	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	2	2	1	0

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (24 से 30 सितंबर) क्षेत्र में 8.8 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0 से 36.0oC और 22.9 से 26.1oC रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 88-98% और 62-89% के बीच रही, जबकि हवा 1.3-4.2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्व, पूर्व-उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पूर्व-दक्षिण से चली। पिछले सप्ताह आसमान में थोड़े बादल छाए रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 01 अक्टूबर से 05 अक्टूबर तक वर्षा नहीं होगी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0-33.0oC और 17.0-20.0oC रहने की उम्मीद है। हवा उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से 4-5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है शेष अवधि में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.40-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 27.09.2024 से 03.10.2024 के दौरान वर्षा में बड़ी अधिकता, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, इस क्षेत्र में बारिश की कोई सम्भावना नहीं है, इसलिए रासायनिक प्रयोग और अन्य कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जा सकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	प्रजनन अवस्था	आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक/ शरदकालीन गन्ने की बुआई	संक्रमित गन्ने को पूरी तरह नष्ट कर दें तथा किसानों को खेत को साफ रखना चाहिए। शरदकालीन गन्ने की बुआई कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू पी के 0.1% घोल में 10 मिनट तक उपचारित गन्ना बीज से करनी चाहिए। शरदकालीन बुआई के लिए गन्ने के डंठल का निचला दो तिहाई भाग प्रयोग किया जाता है।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरैंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी 0.4 मि.ली./लीटर पानी की दर से उपयोग करना चाहिए। मैंकोजेब या जिनेब 75 WP 1.5 -2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 750- 800 लीटर पानी में ब्लाइट (पीले या भूरे रंग का अंडा जहाज आकार के धब्बे) लगने पर छिड़काव करें । दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई परिपक्व होने पर करनी चाहिए। काटी गई उपज को अच्छी तरह से भंडारित किया जाना चाहिए।
मूंग/उर्द	वानस्पतिक/ फूल बनना	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए ।
सोयाबीन	फूल/ फली विकास	फूल एवं फलियाँ बनने पर आवश्यकतानुसार नमी बनाए रखी जानी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
मूंगफली	वनस्पतिक विकास/ खूटियां या फलिया बनना	टिक्का रोग में पत्तियों पर हलके भूरे रंग के गोल धब्बे बन जातें है जिसके चारों ओर निचली सतह पर पीले घेरे होते है। इसके उपचार हेतु खड़ी फसल पर क्लोरोथेनोनिल 2 कि.ग्रा./ मैंकोजेब 80% 2 कि.ग्रा./ प्रोपिकोनाज़ोले 25 ई.सी. 500 मि. ली. मात्रा 800 से 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पे करें। खूटियां या फलिया बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें और नमी बनाये रखें।
तिल	वनस्पतिक विकास	फाइलोडी फाइटोप्लाज्म के कारण होता है जो पौधों, फूलों और पत्तियों के आकार को गुच्छों में बदल देता है और पौधे के हॉपर द्वारा फैलाया जाता है। फसल की समय पर बुआई, मिथाइल-ओ-डिमेटॉन 25 ई.सी. दवा का 1.0 लीटर/हेक्टेयर का 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव और प्रभावित पौधों को जलाने से इसे रोका जा सकता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फूलगोभी	परिपक्वता/ वानस्पतिक	अगेती किस्मों की कटाई करके उन्हें बाजार में खपत के लिए भेज देना चाहिए। मध्यम किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए तथा निराई, गुड़ाई और सिंचाई जैसी नियमित प्रक्रियाओं की निगरानी करनी चाहिए।
मूली/ गाजर/ चुकंदर	अंकुरण/ बुवाई	खेत में नमी बनाए रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई व पतलापन करना चाहिए।
पालक/ मेथी	बुआई/अंकुरण	पत्तेदार सब्जियों के लिए बुवाई का यह सबसे अच्छा समय है। पूरे फसल मौसम में 3-4 सिंचाई आवश्यक है और इस अवधि के दौरान मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए।
सिट्रस	फ्रूटिंग	यदि सिट्रस पीला मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली/3 लीटर पानी या थियामिथोक्सेम 25% डब्ल्यूजी 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट की प्रारंभिक उपस्थिति के दौरान थियामिथोक्सेम का पहला छिड़काव करें और कीट की तीव्रता के स्तर के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएं।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	पशुओं को एफएमडी (खुरपका-मुंहपका रोग) का टीका लगवाना चाहिए। पशुओं को हरा चारा कम मात्रा में देना चाहिए। पशुओं को हरा चारा सूखे चारे में मिलाकर देने की सलाह दी जाती है।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
पोल्ट्री	पोल्ट्री पक्षियों को पशुचिकित्सक की सिफारिश पर कृमिनाशक खुराक दी जानी चाहिए, क्योंकि पोल्ट्री पक्षियों में कृमि अंडे की उत्पादन क्षमता को कम कर देते हैं।